KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

स्वतंत्र भारत में राजनीति

अध्याय - 8

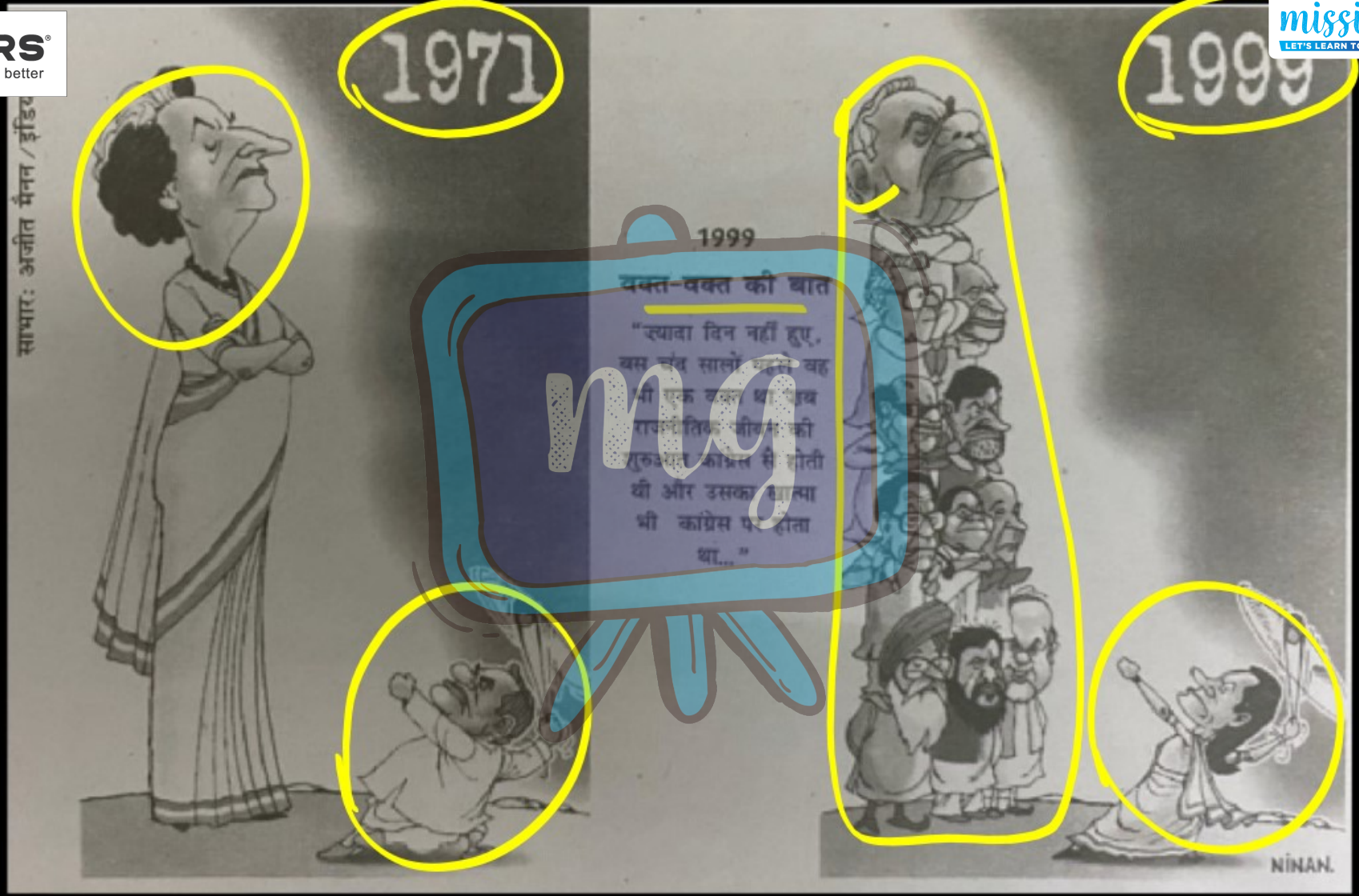
भारतीय राजनीति : नए बदलाव

भाग - 2

Satyaveer Yadav

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1989 - 2014
क्षेत्रीय राजनीति हावी
केन्द्र की राजनीति
को प्रभावित।

- 1989 के चुनावों से भारत में गठबंधन की राजनीति के एक लंबे दौर की शुरूआत।
- इसके बाद केन्द्र में 11 सरकारें बनीं।
- ये सभी या तो गठबंधन की सरकारें थी अथवा दूसरे दलों के समर्थन पर टिकी अल्पमत की सरकारें थीं।
- यह बात 1989 के राष्ट्रीय मोर्चा सरकार 1996 और 1997 की संयुक्त मोर्चा सरकार, 1998 और 1999 की राजग, 2004 और 2009 की सप्रंग सरकार समान रूप से लागू होती है।
- हालांकि यह प्रवृत्ति 2014 में बदल गयी।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



अन्य पिछड़ा वर्ग
OBC

SC, ST से अलग एक कोटा है, जिसमें शैक्षणिक और सामाजिक रूप से पिछड़े समुदायों की गणना की जाती है।

इन्हें पिछड़ा वर्ग भी कहा जाता है।

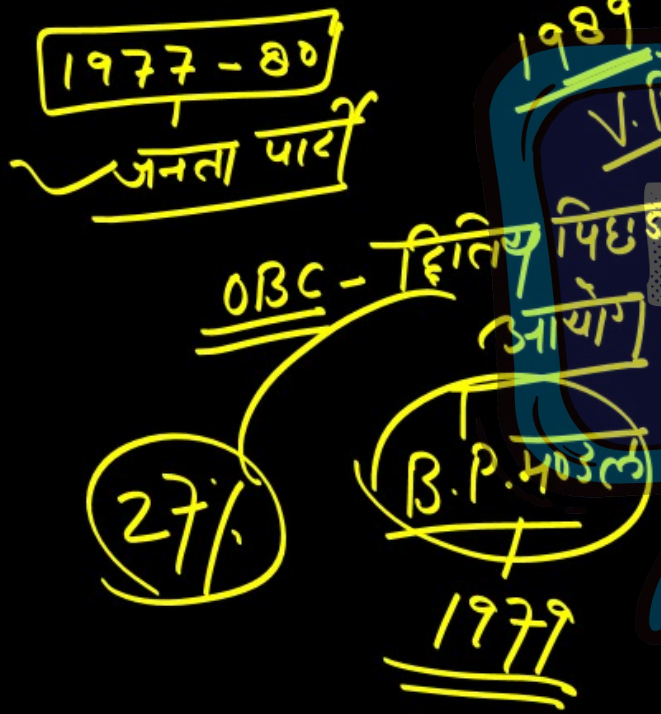
पिछडी जातियों के तबके कांग्रेस से दूर जा रहे थे।

गैर–कांग्रेसी दलों ने इनका समर्थन हासिल किया।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

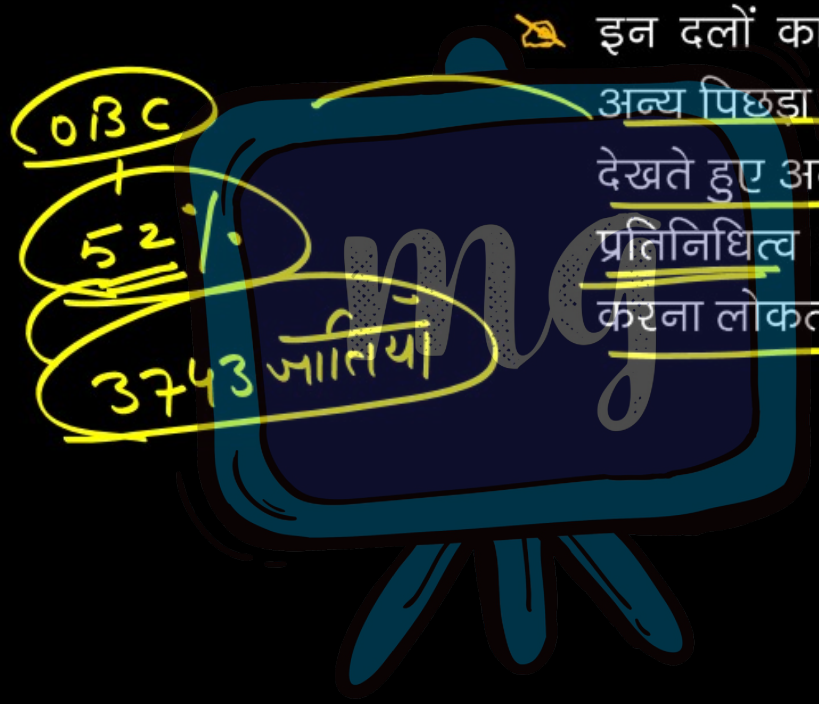
मंडल का लागू होना



- 1980 के दशक में अन्य पिछड़ा वर्गों के बीच लोकप्रिय ऐसे ही राजनीतिक समूहों को जनता दल ने एकजुट किया।
- राष्ट्रीय मोर्चा की सरकार ने मंडल आयोग की सिफारिशों को लागू करने का फैसला किया।
- नौकरी में आरक्षण के सवाल पर तीखे वाद-विवाद हुए और इन विवादों से 'अन्य पिछड़ा वर्ग' अपनी पहचान को लेकर ज्यादा सजग हुआ।
- इस दौर में ऐसी अनेक जातियाँ आगे आयीं, जिन्होंने रोजगार और शिक्षा के क्षेत्र में अन्य पिछड़ा वर्ग को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की मांग की।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



इन दलों का कहना था कि भारतीय समाज में अन्य पिछड़ा वर्ग का एक बहुत बड़ा हिस्सा है, इसे देखते हुए अन्य पिछड़ा वर्ग का शासन में समुचित प्रतिनिधित्व और सत्ता में समुचित मौजूदगी तय करना लोकतांत्रिक कदम होगा।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मंडल आयोग

- 1977 - 79 की जनता पार्टी की सरकार के समय उत्तर भारत में पिछड़े वर्ग के आरक्षण के लिए राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती से आवाज उठायी गयी।
- बिहार के तत्कालीन मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर इस दिशा में अग्रणी थे।
- उनकी सरकार ने बिहार में 'ओबीसी' को आरक्षण देने के लिए एक नयी नीति लागू की।
- इसके बाद केन्द्र सरकार ने 1978 में एक आयोग बैठाया।
- इसके जिम्मे पिछड़े वर्ग की स्थिति को सुधारने का उपाय बताने का काम सौंपा गया था।

इस आयोग के अध्यक्ष बिन्देश्वरी प्रसाद मंडल थे, उनके नाम इसे 'मंडल आयोग' कहा जाता है।

KOLORS
make life better

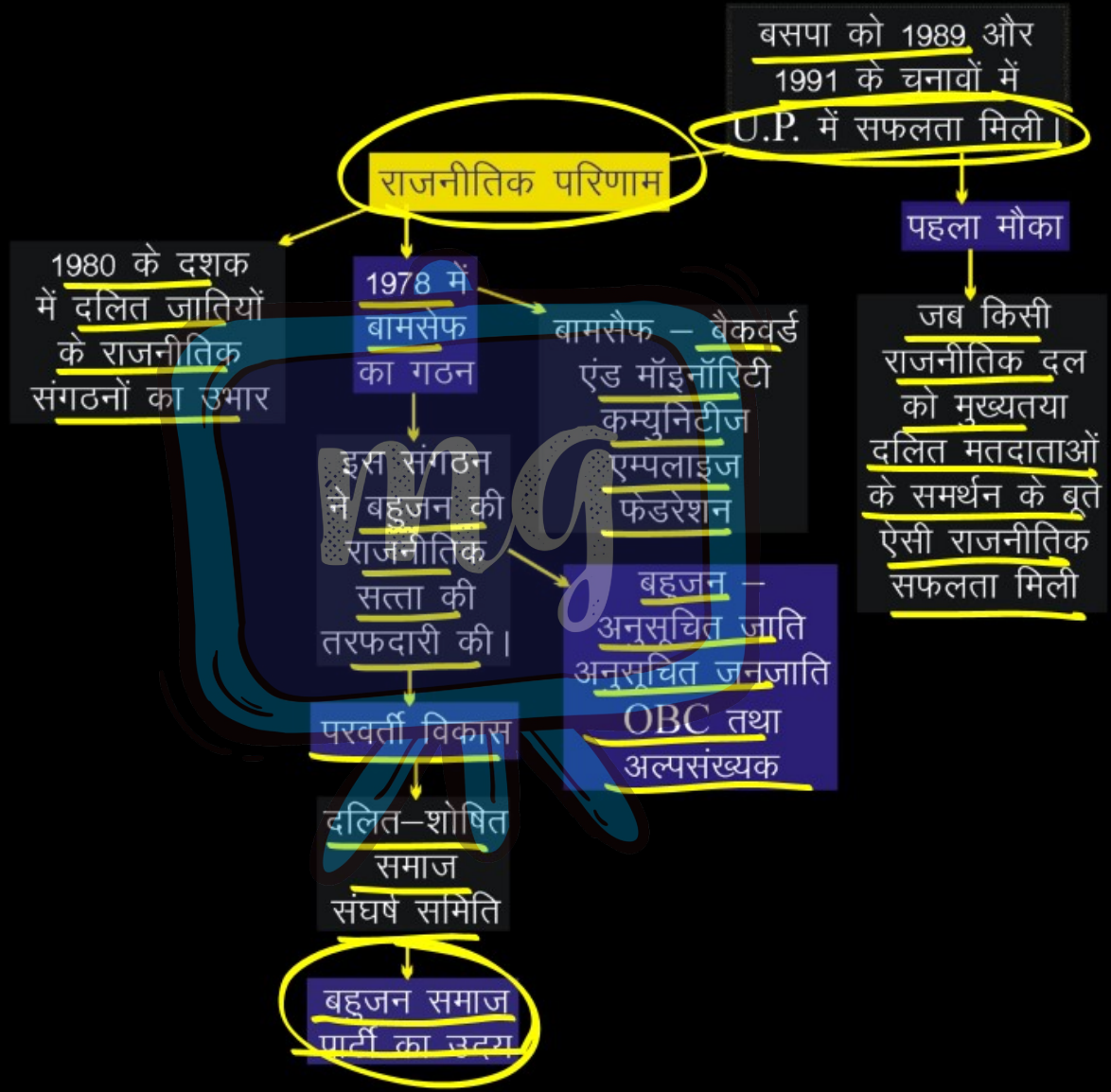
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

सिफारिशें

- आयोग का मशविरा था कि पिछड़ा वर्ग को पिछड़ी जाति के अर्थ में स्वीकार किया जाये, क्योंकि अनुसूचित जातियों से इतर ऐसी अनेक जातियां है, जिन्हें वर्ण व्यवस्था में 'नीच' समझा जाता है।
- आयोग ने सर्वेक्षण में पाया कि इन पिछड़ी जातियों की शिक्षा संस्थाओं तथा सरकारी नौकरियों में बड़ी कम मौजूदगी हैं।
- इस वजह से आयोग ने इन समूहों के लिए शिक्षा संस्थाओं तथा सरकारी नौकरियों में 27 प्रतिशत सीट आरक्षित करने की सिफारिश की।
- मंडल आयोग ने अन्य पिछड़ा वर्ग की स्थिति सुधारने के लिए कई और समाधान सुझाये जिनमें भूमि-सुधार भी एक था।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



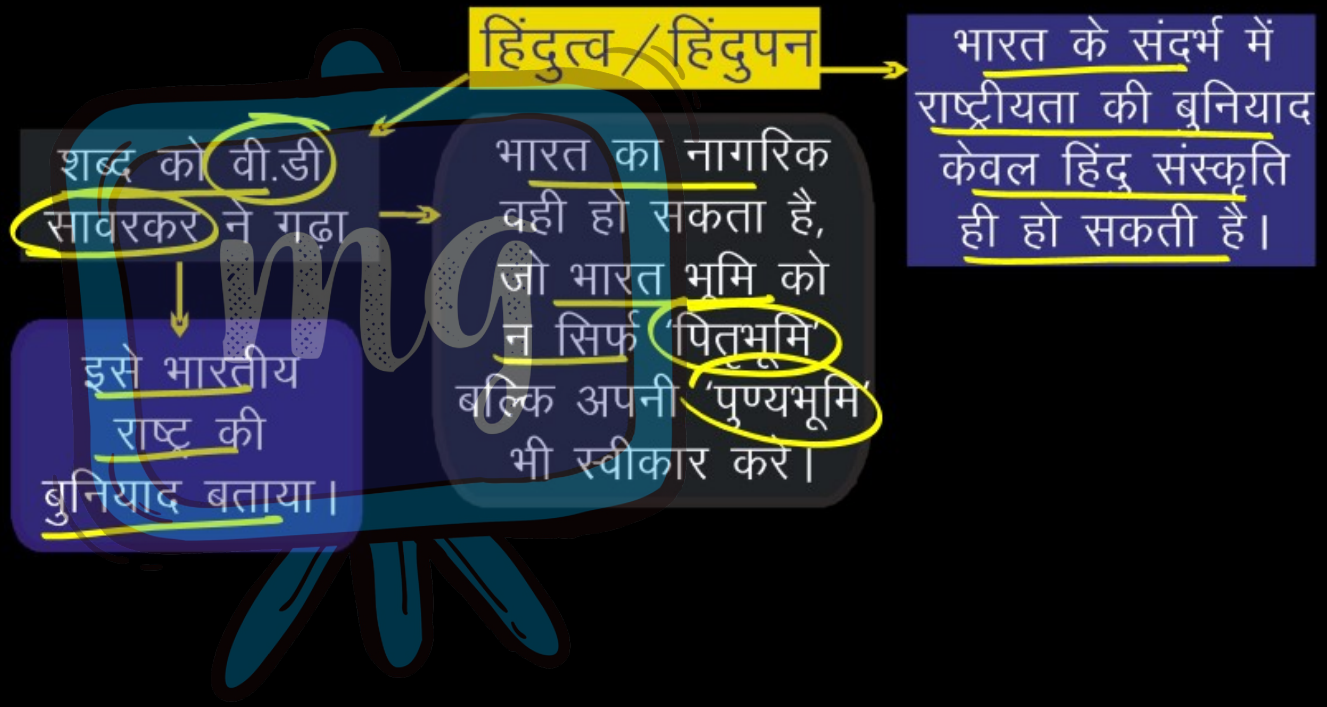
KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- आपातकाल के बाद भारतीय जनसंघ जनतापार्टी में शामिल हो गया।
- जनता पार्टी के पतन और बिखराव के बाद भूतपूर्व जनसंघ के समर्थकों ने 1980 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) बनायी। 06 April
- भाजपा ने 'गाँधीवादी समाजवाद' को अपनी विचारधारा के रूप में स्वीकार किया।
- लेकिन 1980 और 1984 के चुनावों में भाजपा को खास सफलता नहीं मिली।
- 1986 के बाद इस पार्टी ने अपनी विचारधारा में हिंदु राष्ट्रवाद के तत्वों पर जोर देना शुरू किया।
- भाजपा ने 'हिंदुत्व' की राजनीति का रास्ता चुना और हिंदुओं को लामबंद करने की रणनीति अपनायी।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



KOLORS
make life better

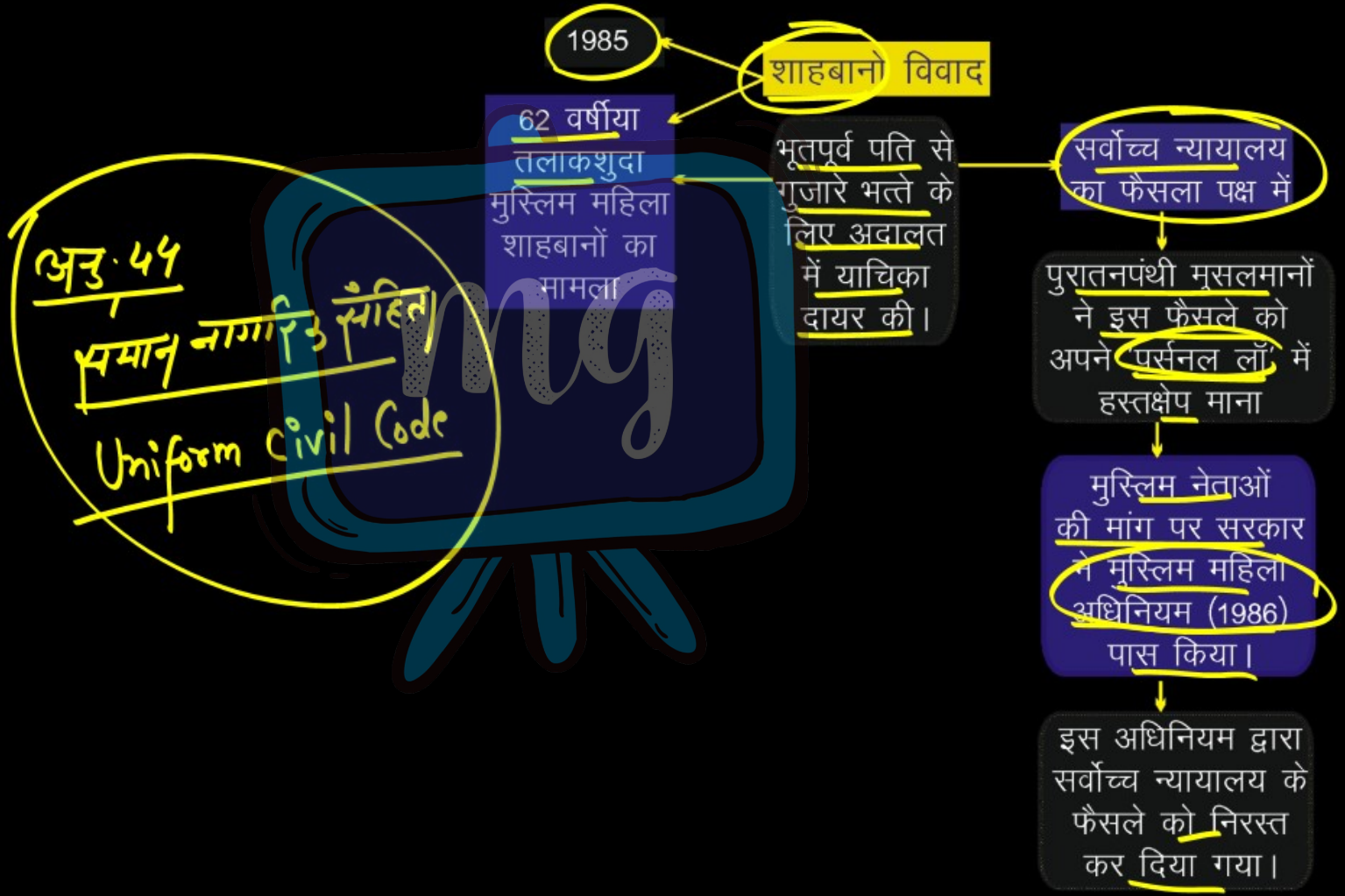
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- 1986 में दो बातें हुईं जो एक हिंदुवादी पार्टी के रूप में भाजपा की राजनीति के लिहाज से प्रधान हो गयी।
  - पहली – शाहबानो मामला
  - दूसरी – अयोध्या विवाद

KOLORS
make life better

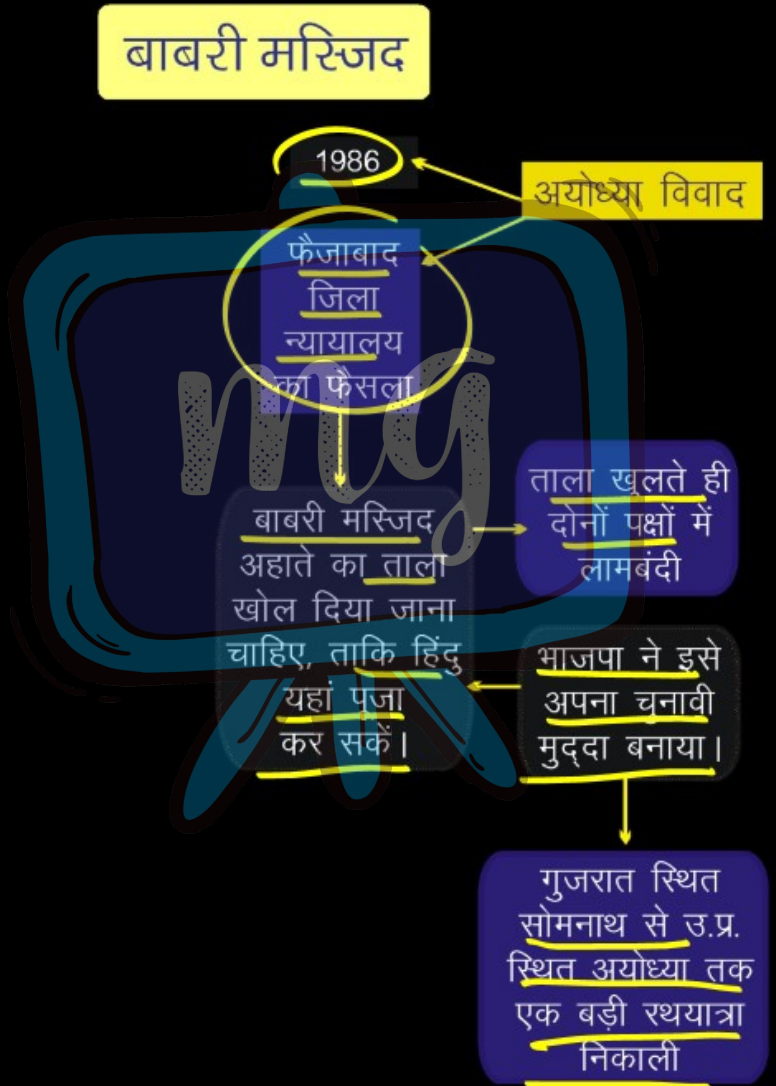
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

बाबरी मस्जिद



1540

- 16वीं सदी में मीर बाकी ने निर्माण कराया।
- मीर बाकी मुगल शासक बाबर का सिपहसलार था।
- कुछ हिंदुओं का मानना कि भगवान राम की जन्मभूमि पर बने मंदिर को तोड़कर उसी जगह पर मस्जिद बनवायी गयी।
- मामला अदालत में 1940 में ताला लगा दिया गया।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

विध्वंस और उसके बाद :-

- जो संगठन राम मंदिर के निर्माण का समर्थन कर रहे थे, उन्होंने दिसम्बर 1992 में एक 'कारसेवा' का आयोजन किया।
- रामभक्तों से आह्वान कि वे 'राम मंदिर' के निर्माण में श्रमदान करें।
- SC का राज्य सरकार को आदेश - 'विवादित स्थल' की सुरक्षा का पूरा इंतजाम करें।
- 6 दिसम्बर 1992 को देश के विभिन्न भागों से लोग आ जुटे और इन लोगों ने मस्जिद को गिरा दिया।
- मस्जिद के विध्वंस की खबर से देश के कई भागों में हिंदु और मुस्लमानों के बीच झड़प हुई।